कामाख्या चालीसा

॥ दोहा॥

सुमिरन कामाख्या करुँ,
सकल सिद्धि की खानि।
होइ प्रसन्न सत करहु माँ,
जो मैं कहौं बखानि॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जै जै कामाख्या महारानी।
दात्री सब सुख सिद्धि भवानी॥

कामरुप है वास तुम्हारो।
जहँ ते मन नहिं टरत है टारो॥

ऊँचे गिरि पर करहुँ निवासा।
पुरवहु सदा भगत मन आसा॥

ऋद्धि सिद्धि तुरतै मिलि जाई।
जो जन ध्यान धरै मनलाई॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जो देवी का दर्शन चाहे।
हृदय बीच याही अवगाहे॥

प्रेम सहित पंडित बुलवावे।
शुभ मुहूर्त निश्चित विचारवे॥

अपने गुरु से आज्ञा लेकर।
यात्रा विधान करे निश्चय धर।

पूजन गौरि गणेश करावे।
नान्दीमुख भी श्राद्ध जिमावे॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शुक्र को बाँयें व पाछे कर।
गुरु अरु शुक्र उचित रहने पर॥

जब सब ग्रह होवें अनुकूला।
गुरु पितु मातु आदि सब हूला॥

नौ ब्राह्मण बुलवाय जिमावे।
आशीर्वाद जब उनसे पावे॥

सबहिं प्रकार शकुन शुभ होई।
यात्रा तबहिं करे सुख होई॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जो चह सिद्धि करन कछु भाई।
मंत्र लेइ देवी कहँ जाई॥

आदर पूर्वक गुरु बुलावे।
मन्त्र लेन हित दिन ठहरावे॥

शुभ मुहूर्त में दीक्षा लेवे।
प्रसन्न होई दक्षिणा देवै॥

ॐ का नमः करे उच्चारण।
मातृका न्यास करे सिर धारण॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

षडङ्ग न्यास करे सो भाई।
माँ कामाक्षा धर उर लाई॥

देवी मन्त्र करे मन सुमिरन।
सन्मुख मुद्रा करे प्रदर्शन॥

जिससे होई प्रसन्न भवानी।
मन चाहत वर देवे आनी॥

जबहिं भगत दीक्षित होइ जाई।
दान देय ऋत्विज कहँ जाई॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

विप्रबंधु भोजन करवावे।
विप्र नारि कन्या जिमवावे॥

दीन अनाथ दरिद्र बुलावे।
धन की कृपणता नहीं दिखावे॥

एहि विधि समझ कृतारथ होवे।
गुरु मन्त्र नित जप कर सोवे॥

देवी चरण का बने पुजारी।
एहि ते धरम न है कोई भारी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सकल ऋद्धि – सिद्धि मिल जावे।
जो देवी का ध्यान लगावे॥

तू ही दुर्गा तू ही काली।
माँग में सोहे मातु के लाली॥

वाक् सरस्वती विद्या गौरी।
मातु के सोहैं सिर पर मौरी॥

क्षुधा, दुरत्यया, निद्रा तृष्णा।
तन का रंग है मातु का कृष्णा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कामधेनु सुभगा और सुन्दरी।
मातु अँगुलिया में है मुंदरी॥

कालरात्रि वेदगर्भा धीश्वरि।
कंठमाल माता ने ले धरि॥

तृषा सती एक वीरा अक्षरा।
देह तजी जानु रही नश्वरा॥

स्वरा महा श्री चण्डी।
मातु न जाना जो रहे पाखण्डी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

महामारी भारती आर्या।
शिवजी की ओ रहीं भार्या॥

पद्मा, कमला, लक्ष्मी, शिवा।
तेज मातु तन जैसे दिवा॥

उमा, जयी, ब्राह्मी भाषा।
पुर हिं भगतन की अभिलाषा॥

रजस्वला जब रुप दिखावे।
देवता सकल पर्वतहिं जावें॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

रुप गौरि धरि करहिं निवासा।
जब लग होइ न तेज प्रकाशा॥

एहि ते सिद्‍ध पीठ कहलाई।
जउन चहै जन सो होई जाई॥

जो जन यह चालीसा गावे।
सब सुख भोग देवि पद पावे॥

होहिं प्रसन्न महेश भवानी।
कृपा करहु निज – जन असवानी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ दोहा॥

कहे गोपाल सुमिर मन,
कामाख्या सुख खानि।
जग हित माँ प्रगटत भई,
सके न कोऊ खानि॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- चामुंडा देवी
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा
- वीरभद्र चालीसा
- मनसा देवी

हिन्दीपथ.कॉम

- कैला चालीसा
- नरसिंह चालीसा
- ज्वाला चालीसा
- नैना देवी चालीसा
- जीण चालीसा
- कुबेर चलीसा
- चित्रगुप्त चालीसा
- गोलू चालीसा
-
- जीण चालीसा
- झूलेलाल चालीसा
- करणी चालीसा
- यमुना चालीसा
- मेहर चालीसा
- कामाख्या चालीसा
- सत्य साई चाली

हिन्दीपथ.कॉम